



चना (Gram) की फसल के उत्पादन हेतु समग्र सिफारिशें (पैकेज ऑफ प्रैक्टिस)

GNG - 1581(गणगौर) (अधिसूचित चना किस्म)



खेत का चुनाव व तैयारी :- चने की फसल के लिए अच्छी जल निकास वाली दोमट या मध्यम काली मिट्टी उपयुक्त होती है। बुवाई से पहले एक गहरी जुताई करें। इसके बाद 2 बार हैरो चलाकर पाटा लगाएं, ताकि मिट्टी में उपलब्ध नमी का संरक्षण हो सके।

बुवाई का समय :- रबी मौसम में चने की बुवाई अक्टूबर के मध्य से नवंबर के मध्य तक करना सर्वोत्तम रहता है। बुवाई के समय लगभग 22°C तापमान उपयुक्त माना जाता है।

बीज की मात्रा व बीज उपचार :- चने का बीज 22-25 किलो प्रति एकड़ की दर से बोयें। देरी से बिजाई के लिए 30-32 किलो प्रति एकड़ की दर से बोयें। जड़ गलन व उखेड़ा की रोकथाम हेतु बुवाई से पहले बीज को 10 ग्राम ट्राइकोडर्मा हरजेनियम (पाउडर आधारित) या 1.5 - 2 ग्राम कार्बेन्डेजिम (50 डब्ल्यू.पी.) प्रति किलो के हिसाब से उपचारित करें।

दूरी व गहराई :-

- कतार से कतार (लाइन-से-लाइन) की दूरी 30 सेंटीमीटर।
- पौधे से पौधे की दूरी 10 सेंटीमीटर।
- नमी वाले मिट्टी के क्षेत्र (Moist soil zone) में बुवाई की गहराई लगभग 8 से 10 सेंटीमीटर होनी चाहिए।

उर्वरकों की मात्रा एवं प्रयोग :- चने की अच्छी पैदावार के लिए 8 किलो फास्फोरस प्रति एकड़ की दर से बीज बोने से पहले डालें। बारानी क्षेत्रों में उपरोक्त की आधी मात्रा बुवाई से पहले डालें।

खरपतवार नियंत्रण :- बुवाई के 48 घंटे के भीतर पेन्डिमेथालिन 30% ईसी (Pendimethalin 30% EC) का 5 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी की दर से मिट्टी की सतह पर एक समान छिड़काव करें। इसके असर के लिए खेत में पर्याप्त नमी होना जरूरी है।

सिंचाई :- पहली हल्की सिंचाई बुवाई के 40 से 45 दिन बाद (DAS) करें। दानों के अच्छे विकास के लिए दूसरी सिंचाई फली भराव के समय करें। यदि मिट्टी सूखी हो तो तीसरी हल्की सिंचाई करें। फसल पकने पर सिंचाई पूरी तरह बंद कर दें ताकि फसल गिरे नहीं।

कीट नियंत्रण :-

फली छेदक (Gram Pod Borer / Heliothis) का नियंत्रण :- फली छेदक की रोकथाम के लिए एमामेक्टिन बेंजोएट 5% एसजी (Emamectin Benzoate 5% SG): 220 ग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से (या 0.5 ग्राम प्रति लीटर पानी में मिलाकर) 500 लीटर पानी के साथ छिड़काव करें अथवा क्लोरेंट्रानिलिप्रोल 18.5% एससी (Chlorantraniliprole 18.5% SC) @ 150 मिलीलीटर/हेक्टेयर या इन्डोक्साकार्ब 14.5% एससी (Indoxacarb 14.5% SC) @ 500 मिलीलीटर/हेक्टेयर का छिड़काव भी कर सकते हैं।

कटाई :- फसल को ठीक समय पर कटाई करना आवश्यक है। अधिक देरी करने से फलियां झड़ने का भय रहता है। अधिकतर फलियां पक जाये तो फसल की कटाई कर लेनी चाहिये।

चेतावनी :- उपरोक्त सुझाई गई विधियां कम्पनी के अनुसंधान केन्द्रों पर लिए गए परीक्षणों पर आधारित है इसमें स्थान व पर्यावरण के अनुसार बदलाव संभव है। अच्छी फसल की प्राप्ति के सम्बन्ध में मार्गदर्शन के लिए निकटतम राज्य कृषि विश्वविद्यालय / कृषि विज्ञान केन्द्र / निकटवर्ती कृषि अधिकारी से सलाह लें।

निर्माता एवं विपणनकर्ता :

जय शंकर सीड्स प्रा. लि.

E-176, फेज फर्स्ट, रिको इण्डस्ट्रीयल एरिया
श्रीगंगानगर - 335002 (राजस्थान)